

6. समान नियति का नियम (Law of common fate) उद्दीपक

की कोई श्रृंखला जब एक साथ समान वेग से समान दिशा में विद्यमान रहती है तो उन अंगकों में संगठन बन जाता है। समान स्थिति का अर्थ है समान वातावरण में उपस्थित उद्दीपक एक जैसी नियति के कारण परस्पर अक्रुड हो जाता है। अगर के अनुसार वातावरण से पूरी तरह जुला-मिला उद्दीपक भी जब प्रवृत्ति से भिन्न रूप में उभरता है तो परस्पर असंबंधि अंशों का समूहीकरण हो जाता है।

6. समावेशन का नियम (Law of Inclusion) संगठित पूर्ण

आकृति के अन्तर्गत विद्यमान आंशिक पूर्ण आकृति के कोई स्वतंत्र भाग नहीं रह जाती है। वह अंश अवग न दिखाई देकर पूर्ण आकृति में समाहित हो जाता है।

7. सममिता का नियम (Law of Symmetry) उद्दीपक का वह

अंश जो ज्यादा सुदृढ़ और सममित होता है आसानी से समूह बना डालता है। समान प्रकार की आकृतियाँ यदि किसी चित्र में समान भाग से वितरित की गई हों तो वे परस्पर संगठन बना देने के कारण संगठित हो जाती हैं।

8. विन्यास का नियम (Law of orientation) उद्दीपक की एक

दिशा का होना उद्दीपक के निर्धारण के लिए सहायक हो सकता है। यदि दो चित्र हों जिनमें से एक में कोई आकृति उर्ध्व और क्षैतिज किनारों को सम्मिलित करते हुए बनाई गई हो और दूसरे चित्र में तिरछे किनारों का अयोग आकृति के लिए किया गया हो तो पहला आकृति अधिक स्पष्टता से और सरलता से होगी दूसरी नहीं क्योंकि उर्ध्व और क्षैतिज रेखाएँ हमेशा चित्र के लिए सहायक माना गई हैं न कि तिरछी लम्बवत किनारे वाली रेखाएँ हमारे



हमारे स्वयं के विन्यास का उभाव यह नहीं है वरन् जो विन्यास बनता है। इसका निर्देशन इस प्रकार होता है।

ऊपर वर्णित आंतरिक नियमों के अतिरिक्त कुछ बाह्य नियम भी गैस्टाल्ट मनोविज्ञानियों ने प्रतिपादित किये हैं क्योंकि जब ठहीपन की संरचनात्मक विशेषताएँ अस्पष्ट सी रहती हैं तब आकृति का प्रत्यक्षीकरण केवल आंतरिक विशेषताओं के कारण नहीं हो पाता। ठहीपक आकृति की संरचनात्मक अस्पष्टता की स्थिति में प्रयोज्य का पूर्वानुमान, परिचय, भ्रमोविन्यास आदि दिशाएँ निर्धारक का कार्य करती हैं।

प्रयोग से यह ज्ञान हुआ है कि प्रत्यक्षीकरण के ये बाह्य नियम आंतरिक नियमों के साथ संयुक्त होते हैं और अरबों से प्रत्यक्षीकरण में सहायक न होकर जटिल अन्तःक्रिया उत्पन्न करते हैं। हाज्बर्ग एवं रिचलर स्टाइन (1956) ने यह स्पष्टता प्रतिपादित किया है कि ये नियम निम्नात्मक प्रवृत्तियों के साथ जटिल रूप से सक्रिय होते हैं साथ ही ये ज़ेड एवं परिपक्व व्यक्तियों में स्पष्ट देखे जा सकते

X